GOVT. BANGUR P.G COLLEGE,PALI

Programme Schedule

NATIONAL E-CONFERENCE ON "BIODIVERSITY AND HUMAN HEALTH : CONSERVATION IN THE TIME OF COVID-19

Date : 21 September 2021
Organised
by
Department of Zoology
Govt.Bangur PG College , Pali
(Under the Aegis of IQAC)
Email : gbcpali@gmail.co.in

Inaugural Session 11.30a.m. Onwards

11.30	Introduction by Dr.Priti Mathur, Convenor ,E-conference
11.35	Welcome Speech by Dr K.S.Rawat ,Principal & Patron
11.40	Introduction and Expansion of Theme by Dr Renu Kohli, Organising Secretary
11.48	Address by Sangeeta Verma, Co-Patron

Technical Sessions 11.50 a.m. Onwards

11.50-12.20 (30min)	Keynote address Mrs Shruti Sharma,IFS. Principal Chief Conservator of Forest and Head of Forest Force ,Rajasthan state(Retd) ***Topic: Importance of Biodiversity: Challenges and Strategies***
12. 20 -12.50 (30 min)	Prof. Reena Mathur. Retired Professor and Head,Zoology University of Rajasthan *Topic : Eco zones and Biodiversity of India*

1250 - 1.25(35min)	Prof. Anil Kumar Chhangani ,D,Sc. Head Department of Environmental Science, Maharaja Ganga Singh University , Bikaner *Topic: Biodiversity of Thar desert and its role in present COVID - 19 Pandemic*
1.25 -2.00(35 Min)	Dr. Satya Prakash Mehra Professor and Director (Research) Rajputana Society of Natural History Bharatpur,Rajasthan *Topic: Conserving local natural heritage through Eco-Ethos*
2.00-2.35(35 min)	Dr.Sumit Dookia Assistant Professor University School of Environment Management Guru Govind Singh Indraprastha University (Government of NCT of Dehli) *Topic Biodiversity Conservation and Challenges in Covid -19 Scenario*
2.35-2.50	A Small clipping (2min) 'The year when all wild animal are gone by Sustainable Human and climate Healer Organization' Interaction Session Open for participants for discussion
2.50	Vote of Thanks by Dr.Sushma sharma((Convenor, IQAC)

`

दैनिक भास्कर
पाली भास्कर 22-09-2021

संगोष्ठी • प्राणी शास्त्र विभाग व आईक्यूएसी की ओर से जैव विविधता को लेकर हुई ई-कॉन्फ्रेंस, अनेक विद्वानों ने लिया भाग

ई-कॉन्फ्रेंस में वक्ताओं ने कहा- जैव विविधता को हर हाल में बचाएं, नहीं तो आने वाली पीढ़ी के लिए खतरा हो सकता है

भास्कर संवाददाता. पाली

राजकीय बांगड़ कॉलेज में मंगलवार को प्राणीशास्त्र विभाग व आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में बायोडायवर्सिटी एंड ह्यूमन हैल्थ, कॉन्सर्वेशन इन द टाइम ऑफ कोविड-19 विषय पर ई-कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का प्रारंभ प्राचार्य डॉ. कल्याणसिंह रावत के उद्घाटन भाषण के साथ हुआ। प्राणीशास्त्र विषय की विभागाध्यक्ष व संगोष्ठी की संयोजक डॉ. प्रीति माथुर ने वक्ताओं का परिचय दिया। साथ ही कार्यक्रम का संचालन के साथ रूपरेखा भी बताई। संगोष्ठी सचिव डॉ. रेणु कोहली ने संगोष्ठी के विषय के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि ई-कॉन्फ्रेंस के विषय का मुख्य उद्देश्य जैव विविधता के मुद्दों की समझ और जागरूकता को बढ़ाने के साथ इस संकट के समाधान में योगदान देना है। इस संगोष्ठी से जैव विविधता का संरक्षण और सतत उपयोग भविष्य की महामारियों में

पाली. बांगड़ कॉलेज में ई कॉन्फ्रेंस में भाग लेते हुए।

जोखिम को कम करने में मदद हो सकती है। संगोष्ठी में सह संरक्षक व 1987 की आईएफएस अधिकारी डॉ. संगीता वर्मा ने प्रकृति, संस्कृति व समाज के संबंध का सुंदर तरीके से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि हमारे गीत व संगीत इसके सबसे अच्छे उदाहरण है। उन्होंने जैव विविधता संरक्षण की चुनौतियों व संरक्षण योजनाओं पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी में राजस्थान विश्वविद्याल में प्राणीशास्त्र की सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष डॉ. रीना माथुर ने देश के विभिन्न भागों में पाये जाने वाले दुर्लभ जीवों रोचक जानकारी दी। संगोष्ठी में वक्ता महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय बीकानेर के डॉ. अनिलकुमार छंगानी ने मरूस्थल में पाई जाने वाली जैव विविधता के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने कोविड-19 के समय में जैव संरक्षण की महत्व के बारे में बताया। नई दिल्ली की गुरू गोविंदसिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय की सहायक आचार्य डॉ. सुमित दुकिया ने कहा कि हमें अपनी जैवविविधता को हर हाल में बचाना होगा नहीं तो आने वाली पीढ़ी के लिए खतरा होगा, इसके लिए जनभागीदारी बढ़ानी होगी। अंत में आईक्यूएससी संयोजक डॉ. सुषमा शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया। संगोष्ठी में डॉ. अपूर्व माथुर, डॉ. विनीता अरोड़ा, जोगाराम कुमावत व अल्ताफ हुसैन ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया।

बाहेती ने बताया कि समारोह में मौजूदा 14 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। शाखा सचिव हिमांशु गर्ग ने बताया कि इस बार पाली जिले से 3 विद्यार्थियों ने अखिल भारतीय स्तर पर स्थान प्राप्त किया।

गोयल, शरद मालपानी, राकेश माली, श्रेयांस अग्रवाल, हिमांशी जैन, दीक्षा धूत, अभिषेक चंडक, धवल कोठारी, सौरभ बियानी, अभय बंसल, केशव झंवर का सीए बनने पर बहुमान किया गया।

दिशा में आगामी सकारात्मक पहल क्या हो सकती है? इस विषय पर व्यापक चिंतन स्वदेशी जागरण मंच ने किया है। स्वदेशी शोध संस्थान एवं एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज ने एक पहल की है।

न करे, इसके लिए मुख्यालय स्तरीय अधिकारियों द्वारा समय समय पर इनकी मॉनिटरिंग भी की जाएगी। विभाग की इस पहल को देखते हुए पाली ब्लॉक के शहर व ग्रामीण क्षेत्र के 243 आंगनबाड़ी केंद्र से 13

आंगनबाड़ी केंद्र पर सोमवार को पोषाहार की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें पार्षद अकरम खिलेरी व इस्माइल खान द्वारा महिलाओं को पौष्टिक आहार बनाने का तरीका बताया गया। कार्यक्रम में महिला

रस्म भी अदा की गई। इस मौके पर शांति देवी, शहनाज बेगम, मीना कुमारी, सुमनलता, कविता, ऊषा सुथार, रामा, संतोष चौहान, यास्मीन सहित कई महिलाएं मौजूद रही।

पाली | पाली सेव
तत्वावधान में गु
पाली सेवा मंडल
आयोजन किया

ई-कॉन्फ्रेंस • बांगड़ कॉलेज में ई-कॉन्फ्रेन्स से जुड़ेंगे प्रोफेसर व विद्वान, यू-ट्यूब लिंक के माध्यम से ई-कॉन्फ्रेंस में भाग ले सकेंगे

मानव स्वास्थ्य कोविड-19 के समय में संरक्षण पर चर्चा आज

भास्कर संवाददाता | पाली

राजकीय बांगड़ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राणीशास्त्र व आईक्यूएसी प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में समसामयिक विषय में जैव विविधता व मानव स्वास्थ्यः कोविड-19 के समय में संरक्षण पर ई-कॉन्फ्रेन्स का आयोजन मंगलवार 11 बजे से किया जाएगा। विषय में रुचि रखने वाले विद्यार्थी व अन्य जूम लिंक व यू-ट्यूब लिंक के माध्यम से ई-कॉन्फ्रेन्स में भाग ले सकते हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएस रावत ने कहा कि जैव विविधता संरक्षण ही आज ही बहुत आवश्यकता है। हम प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन कर पर्यावरण को क्षति पहुंचा रहे है। जैव विविधता एक प्राकृतिक संसाधन है, जिससे हमारी जीवन की सम्पूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। कार्यक्रम की आयोजन सचिव डॉ. रेणु कोहली ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण, निवनीकरण के चलते हमारी जैव विविधता पर इन दिनों संकट मंडरा रहा है। यदि हमें कोविड-19 जैसी विपदाओं से बचना है तो हमें जैव विविधता का संरक्षण, संवर्द्धन व सतत उपयोग करना होगा। ई-कॉन्फ्रेन्स समन्वयक प्राणीशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. प्रीति माथुर ने बताया कि इस ई-कॉन्फ्रेंस में देशभर के विद्वान भाग लेंगे। बड़े प्रोफेसर सहित विषय विशेषज्ञ भाग लेंगे। संगोष्ठी कार्यक्रम की कार्यकारिणी में सह संरक्षक डॉ. संगीता वर्मा, समन्वयक आईक्यूएसी डॉ. सुषमा शर्मा की सक्रिय भूमिका रहेगी। उपरोक्त संगोष्ठी विद्यार्थी व जनमानस में जैव विविधता संरक्षण के बारे में जागरूकता निभाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

ये होंगे मुख्य वक्ता, पहली बार इतनी बड़ी ई-कॉन्फ्रेंस

1. **श्रुति शर्मा:** मुख्यवक्ता हैं, श्रुति शर्मा 1987 के आईएफएस अधिकारी हैं। वे राजस्थान के मुख्य वन संरक्षक व फॉरेस्ट हैड रह चुकी हैं। इसके साथ ही शर्मा के प्राइड ऑफ इंडिया नामक डॉक्यूमेंट्री में संग्रहण किया गया है।

2. **प्रो. रीना माथुर** – राजस्थान विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र की सेवानिवृत्त विभागाध्यक्ष हैं। उनके कार्य क्षेत्र प्राणी व्यवहार व वन्यजीव संरक्षण पर रहा है। वे यूएसए व ग्रीस में विजिटिंग प्रोफेसर रह चुकी हैं। इनके 75 से अधिक शोध पत्र व 5 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। बीबीसी व डिस्कवरी चैनल पर भी वनजीवन से संबंधित कार्य किया है।

3. **डॉ. सुमित दुकिया** – यह गुरु गोविंद सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में सहायक आचार्य हैं। इनका लगभग 20 वर्ष से अधिक वन्यजीवों पर कार्य करने का अनुभव है, इनके 100 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके है। 9 रिसर्च प्रोजेक्ट पूर्ण हो चुके हैं। इनके जेडएसआई, जोधपुर के साथ वन्यजीवन पर कार्य किया।

4. **डॉ. सत्यप्रकाश मेहरा** – शोध राजपूताना सोसायटी ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, राजस्थान के डॉयरेक्टर है। इन्होंने बीएनएचएस व डब्लूडब्लूएफ इंडिया के साथ वन्यजीव संरक्षण पर कार्य किया है।

5. **डॉ. केएन छंगानी** – महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर में प्रोफेसर हैं। इन्होंने पश्चिमी राजस्थान के वन्यजीव संरक्षण में काफी कार्य किया है।

सरसंघ
जोधपु
तैयारि
विश्व संवा
भागवत चा
जोधपुर प्रव
भास्कर सं

राष्ट्रीय स्वयं
सरसंघचालक
चार दिन के
से 27 सित
में रहेंगे।
राष्ट्रीय स्व
मीडिया हाउस
के पाली कार्या
बैठक कर

समकालीन संस्कृत साहित्य विविध आयाम विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आज

पाली | राजकीय बांगड़ महाविद्यालय में आइक्यूएसी प्रकोष्ठ के तत्वावधान में समकालीन संस्कृत साहित्य विविध आयाम विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन शुक्रवार को किया जाएगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. केएस रावत ने बताया कि इस कार्यशाला में आयुक्तालय उच्च शिक्षा विभाग जयपुर से डॉ. श्रुति गुप्ता एवं संस्कृत विभाग से डॉ. पुष्पा गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। संगोष्ठी निदेशक एवं आयोजन सचिव डॉ. संगीता आर्य ने बताया कि संगोष्ठी में तीन तकनीकी सत्रों का आयोजन होगा, जिनमें मुख्य वक्ता के रूप में जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर की प्रोफेसर सरोज कौशल, केंद्रीय संस्कृत विद्यालय जयपुर के प्रोफेसर रमाकांत पांडे एवं दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर मीरा द्विवेदी रहेंगे। इस संगोष्ठी में अभी तक देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 500 से अधिक प्रतिभागी रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं। आईक्यूएसी संयोजक सुषमा शर्मा ने बताया कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ई-संगोष्ठी की महती आवश्यकता है। जिससे देश के विभिन्न हिस्सों से विद्वान जुड़कर महत्वपूर्ण विषय पर विचार विमर्श कर सकते हैं।

दैनिक भास्कर
पाली भास्कर 04-09-2021

संगोष्ठी • राजकीय बांगड़ महाविद्यालय के आइक्यूएसी प्रकोष्ठ के तत्वावधान में संगोष्ठी का आयोजन

आर्थिक सुधारों के 30 वर्ष व कोविड-19 पर चर्चा

संगोष्ठी में देश के 500 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

भास्कर संवाददाता | पाली

राजकीय बांगड़ महाविद्यालय के आइक्यूएसी प्रकोष्ठ के तत्वावधान में शुक्रवार को भारत में आर्थिक सुधारों के 30 वर्ष तथा कोविड-19 विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की सह-संरक्षक डॉ. संगीता वर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से 500 से अधिक प्रतिभागियों की सहभागिता रही। कार्यक्रम के शुरुआत में महाविद्यालय प्राचार्य एवं कार्यक्रम संरक्षक डॉ. कल्याण सिंह रावत ने सभी अतिथियों एवं वक्ताओं का स्वागत किया। संगोष्ठी निदेशक डॉ. उषा राठी ने विषय की आवश्यकता एवं सार्थकता को प्रतिभागियों के समक्ष रखा। विशिष्ट अतिथि आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा विभाग से डॉ. विनोद भारद्वाज तथा डॉ. ललिता यादव रहे।

पाली. देश के विभिन्न हिस्सों से 500 से अधिक प्रतिभागियों ने आर्थिक सुधारों के 30 वर्ष तथा कोविड-19 विषयक संगोष्ठी में निभाई सहभागिता।

प्रथम तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. अनूप कुमार आत्रेय, सहायक आचार्य अर्थशास्त्र, राजकीय महाविद्यालय अजमेर ने गत एक दशक में हुए महत्वपूर्ण आर्थिक सुधार जैसे जन धन योजना, विमुद्रीकरण, विदेशी विनियोग एवं व्यापार, जीएसटी, भूमि सुधार आदि को कोविड-19 के दृष्टिकोण में प्रस्तुत किया। द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. महेश श्रीवास्तव, सह आचार्य, अर्थशास्त्र, राजकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ ने भारत के असंगठित क्षेत्र पर कोविड-19 के प्रभाव पर चर्चा की। इसी क्रम में समूह चर्चा में डॉ. सुमन भाटिया, डॉ. पंकज, डॉ. रश्मि त्रिवेदी, डॉ. महिमा गुप्ता आदि कई प्रतिभागियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुषमा शर्मा, प्रभारी आइक्यूएसी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संपूर्ण संचालन डॉ. विनीता अरोड़ा, आयोजन सचिव द्वारा किया गया।

12:01
53%
GOVT. BANGUR PG COLLEGE,
In the ageis of
organizi
NATIONAL E-
"30 Years Of Economic Re
9"
Date : 3rd
Key Speaker
Prof. Vijay Veer Singh
Department of
Economics
University of Rajasthan
Jaipur
Key Speaker
r. Anoop Kumar Atria
Assistant Professor
epartment of Economics
SPCGC, Ajmer
GOVT. BANGUR COLLEGE, PALI

organizing a
NATIONAL E-CONFERENCE
on
"30 Years Of Economic Reforms In India and COVID - 19"
Date : 3rd September, 2021
Key Speaker
Prof. Vijay Veer Singh
Department of Economics
University of Rajasthan
Jaipur
Key Speaker
Dr. Mahesh Shrivastava
Associate Professor
Department of Economics
Govt. Digvijay PG Autonomous College
Rajnandgaon (Chattisgarh)
Key Speak
Dr. Anoop Ku
Assistant Pr
Department of
SPCGC,
Economic Reforms
and

12:11 48%
FINAL BROCHURE (ECONOMIC REFORMS).pdf

organizing a

NATIONAL E-CONFERENCE

on

"30 Years Of Economic Reforms In India and COVID - 19"

Date : 3rd September, 2021

Key Speaker

Prof. Vijay Veer Singh
Department of Economics
University of Rajasthan
Jaipur

Key Speaker

Dr. Mahesh Shrivastava
Associate Professor
Department of Economics
Govt. Digvijay PG Autonomous College
Rajnandgaon (Chattisgarh)

Key Speaker

Dr. Anoop Kumar Atria
Assistant Professor
Department of Economics
SPCGC, Ajmer

Registration Link - https://forms.gle/wfV1kythT4wsR9ZPA

Meeting Link - https://bit.ly/3DqP7iz

1 / 2

12:07 979 KB/S 50%

In the ageis of **IQAC**

organizing a

NATIONAL E-CONFERENCE

on

"30 Years Of Economic Reforms In India and COVID - 19"

Date : 3rd Sep[illegible]er, 2021

Key Speaker

Prof. Vijay Veer Singh
Department of Economics
University of Rajasthan
Jaipur

K[illegible]

D[illegible]stava
[illegible]cs
[illegible]nous
[illegible]h)

Key Speaker

Dr. Anoop Kumar Atria
Assistant Professor
Department of Economics
SPCGC, Ajmer

GOVT. BANGUR COLLEGE, PALI

organizing a
NATIONAL E-CONFERENCE
on
"30 Years Of Economic Reforms In India and COVID - 19"
Date : 3rd September, 2021
Key Speaker
Prof. Vijay Veer Singh
Department of Economics
University of Rajasthan
Jaipur
Key Speaker
Dr. Mahesh Shrivastava
Associate Professor
Department of Economics
Govt. Digvijay PG Autonomous College
Rajnandgaon (Chattisgarh)
Key Speak
Dr. Anoop Ku
Assistant Pr
Department of
SPCGC.
Economic Reforms
and
OVID - 19

National e-Conference on

"Origin, Current Scenario and Future Challenges of Green Chemistry for Sustainable Development" (Interdisciplinary)

Organized by

Department of Chemistry
Govt. Bangur PG College, Pali
(NAAC Accredited 'B' Grade)
Affiliated to Jai Narayan Vyas University, Jodhpur (Rajasthan)
(Under the aegis of IQAC)

Special guest

Dr. Shruti Gupta
Assistant Project Director
RUSA
Commissionerate
College Education
Jaipur

Our Speakers

Dr. Rita Mehra
Professor & HoD
Dept. of Applied Chemistry
MDS University
Ajmer

Dr. Narendar Bhojak
Associate Professor
Dept. of Chemistry
Govt Dungar College
Bikaner

Dr. Amit Sharma
Assistant Professor
Dept. of Chemistry
University of Rajasthan
Jaipur

Date: -
02 Sept 2021
Time: -
12:00 noon

Free registration Link :-
https://forms.gle/EVoaaJe6vMZrh6gm9

Zoom Link :-
https://bit.ly/3BgqIdM

(Meeting ID: 890 3154 3085, Passcode: 559388)

e-Certificates will be provided to all participants

CONFERENCE THEME:-

Green Chemistry aims to design and produce cost-competitive chemical products and processes that attain the highest level of the pollution-prevention hierarchy by reducing pollution at its source. Chemicals that are less hazardous to human health and the environment are less toxic to organisms. Green Chemistry is also known as Sustainable Chemistry. It is used to design chemical products and procedures that reduce generation of hazardous chemical substances. Green chemistry applies diagonally the life cycle of a chemical product, including its manufacture, use, design, ultimately disposal, prevention of waste/by-products, maximum incorporation of the reactants (starting materials and reagents) into the final product and Designing of safer chemicals.

दैनिक भास्कर
पाली भास्कर 04-09-2021

हरित रसायन और सुस्थिर विकास विषय पर ई-कॉन्फ्रेंस की आयोजित

पाली | राजकीय बांगड़ महाविद्यालय के आईक्यूएसी प्रकोष्ठ व रसायन शास्त्र विभाग के तत्वावधान में राष्ट्रीय ई-कॉफ्रेंस हरित रसायन एवं सुस्थिर विकास विषय पर आयोजित की गई, जिसमें ई-कॉफ्रेंस संरक्षक महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कल्याण सिंह रावत ने विशिष्ट अतिथि डॉ. श्रुति गुप्ता, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा प्रतिनिधि, मुख्य वक्ताओं तथा सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। ई-कॉन्फ्रेंस की सह-संरक्षक डॉ. संगीता वर्मा ने कॉन्फ्रेंस की थीम पर प्रकाश डाला। आयोजन सचिव डॉ. स्वाति सोनी ने बताया कि लगभग 300 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन जुड़कर ई-कॉफ्रेंस में

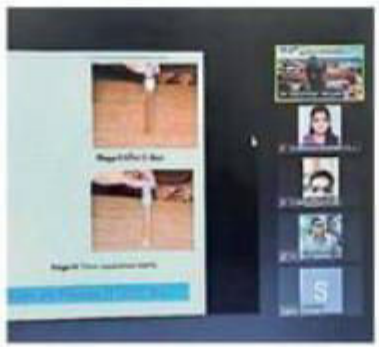

भाग लिया। प्रथम तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. नरेंद्र भोजक, सह आचार्य राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर ने 'हरित परिसर के लिए हरित रसायन एवं हरित अंकेक्षण' विषय पर शोध कार्य प्रस्तुत किए। उन्होंने सौर आसवन प्लांट, हरित सेनेटाइजर तथा प्लास्टिक बोतलों के पुनः उपयोग के बारे में बताया। द्वितीय तकनीकी सत्र की मुख्यवक्ता डॉ. रीटा मेहरा, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष एमडीएस विश्वविद्यालय, अजमेर ने समृद्धि के स्वच्छता प्रभाव की जानकारी दी। अंतिम व तृतीय सत्र के मुख्यवक्ता डॉ. अमित शर्मा, सहायक आचार्य, रसायन शास्त्र विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर ने औषधीय रूप से महत्वपूर्ण विषम चक्रीय यौगिकों के सहज निर्माण के लिए हरित रसायन के अनुप्रयोगों के बारे में बात की। आईक्यूएसी संयोजक डॉ. सुषमा शर्मा ने बताया कि अकादमिक उत्थान के लिए इस प्रकार की संगोष्ठियां उपयोगी हैं।

12:21 143 KB/S 20%

Zoom

Leave

REC

Unmute Start Video Share 87 Participants More 1